RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 25 OCTOBER TO 31 OCTOBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 6 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

2030 तक जापान से आगे निकल जाएगी भारत की GDP Page 2

महंगी EMI से अभी नहीं मिलेगी राहत Page 3

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा बिजनस पार्टनर Page 4

editoria!

गगनयान का सफल परीक्षण

गगनयान मिशन से जुड़े एक परीक्षण की सफलता के साथ भारत उस मंजिल के और निकट सह चगया है, जो देश के अंतरिक्ष इतिहास में मील का एक बड़ा पत्थर साबित होगा. गगनयान इसरो का वह महत्वाकांक्षी मिशन है, जिसमें भारतीय वैज्ञानिक भारत की ही जमीन और भारत में ही बने अंतरिक्ष यान से भारत के ही दो अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेंगे. गगनयान के मानव अभियान के लिए 2025 का समय निश्चित किया गया है. उससे पहले कई तैयारियां जरूरी हैं, क्योंकि इसमें किसी भी चूक से केवल धन, साधन और श्रम ही नहीं, इंसानों की जान की भी क्षति हो सकती है. इसी लिहाज से शनिवार को आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष स्टेशन से किया गया टेस्ट बहुत अहम था. वैज्ञानिकों ने इस मिशन के लिए एक ऐसी व्यवस्था की है कि यदि उड़ान के दौरान कोई आपात स्थिति उत्पन्न हो, तो रॉकेट से जुड़ा वह हिस्सा अलग होकर नीचे लैंड कर सके जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार हों. फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन में यही टेस्ट किया गया. इसरो का रॉकेट टीवी-डी 1 अंतरिक्ष में गया, और एक निश्चित ऊंचाई पर उससे जुड़ा क्रू एस्केप सिस्टम (सीइएस) उससे अलग हुआ, उसमें लगे पैराशूट खुले, और वह धीरे-धीरे बंगाल की खाड़ी में गिरा. वहां नौसेना की एक टीम ने सीइएस को निकाला और इसरो को सौंप दिया. टेस्ट से संतुष्ट इसरो चेयरमैन एस सोमनाथ ने कहा है कि अब अगले साल की शुरुआत में गगनयान का अगला अहम परीक्षण होगा, जिसमें एक मानवरहित गगनयान अंतरिक्ष जायेगा. शनिवार को गगनयान के परीक्षण में वैज्ञानिकों को एक अलग किस्म का भी अनुभव हुआ, जिनसे उनकी तैयारियों को और बल मिला है. सुबह आठ बजे के लिए तय परीक्षण को मौसम खराब होने के कारण पहले साढ़े आठ बजे और फिर पौने नौ बजे दूसरी बार टालना पड़ा, लेकिन प्रक्षेपण से पांच सेकंड पहले यान में लगे कंप्यूटर को कोई गड़बड़ी दिखी और उसने इंजन बंद कर दिया. फिर वैज्ञानिकों ने उसे ठीक किया और आखिर 10 बजे प्रक्षेपण हुआ. रोमांच से भरा यह घटनाक्रम दर्शाता है कि मानव को अंतरिक्ष लेकर जाना कितना जोखिम भरा अभियान है, जिसके लिए महत्वाकांक्षा और मजबूत इरादों के साथ उच्च कोटि के कौशल की जरूरत होती है. दुनिया में आज तक केवल तीन देश- अमेरिका, रूस और चीन यह क्षमता हासिल कर सके हैं. भारत ऐसा चौथा देश बनने की राह में मजबूती से आगे बढ़ रहा है.

IEA Report: पूरी दुनिया में साल 2030 में रेकॉर्ड स्तर पर होगी तेल की मांग

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनियाभर में तेल, गैस और कोयले की मांग लगातार बढ़ रही है। साल 2030 तक जीवाश्म ईंधन यानी तेल, गैस और कोयले की मांग रेकॉर्ड स्तर पर होगी। हालांकि इसके बाद डिमांड घटने लगेगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) की ओर से जारी वार्षिक वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक में यह बात कही गई है। साल 2023 के बाद मांग कम होने की पीछे की वजह इलेक्ट्रिक कारों का सड़कों पर आना होगा। इलेक्ट्रिक कारों के आने के बाद तेल की डिमांड कम होना शुरू हो जाएगी। इस दौरान चीन की अर्थव्यवस्था और ज्यादा धीमी गति से बढ़ रही होगी। वहीं दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाया जाना बढ़ेगा।

ओपेक के नजरिए से उलट

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) की यह रिपोर्ट तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक के नजरिए से उलट है कि तेल के क्षेत्र में खरबों डॉलर के निवेश की जरूरत है। ओपेक ने इसी महीने अपनी रिपोर्ट में साल 2030 से आगे जाकर मांग में और ज्यादा डिमांड का अनुमान लगाया था। वार्षिक वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक में आईआईए ने कहा है कि तेल, प्राकृतिक गैस और कोयले की मांग में बढ़ोतरी इस दशक में सरकारों की मौजूदा नीतियों के आधार पर उसके परिदृश्य में दिखाई दे रही है। ऐसा पहली बार हुआ है।

बिजली की मांग बढ़ेगी

सरकारों, कंपनियों और निवेशकों को स्वच्छ ऊर्जा बदलावों में बाधा डालने के बजाय उनका समर्थन करने की जरूरत है। आईईए के मुताबिक, भारत में साल 2050 तक बिजली की मांग 9 गुना तक बढ़ जाएगी। क्योंकि एसी का इस्तेमाल काफी ज्यादा होने लगेगा। यह अफ्रीका की मौजूदा खपत से कहीं ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले तीन दशक में भारत में दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में ऊर्जा की मांग में इजाफा सबसे ज्यादा होगा।

आईईए ने यह भी कहा कि जैसी स्थिति है, औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के पेरिस समझौते के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जीवाश्म ईंधन की मांग बहुत अधिक बनी रहेगी। एजेंसी ने एक बयान में कहा, 'इससे एक साल की रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के बाद न केवल जलवायु प्रभावों के बिगड़ने का खतरा है, बल्कि ऊर्जा प्रणाली की सुरक्षा भी कमजोर हो रही है।

भारत ने रूस से खरीदा करीब 12% ज्यादा कच्चा तेल

सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटा

सितंबर में रूस से भारत का मासिक कच्चा तेल आयात 11.8 फीसदी बढ़कर लगभग 15.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) हो गया है। साथ ही, सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटकर 5,27,000 बीपीडी हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के अप्रैल-सितंबर में कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी एक साल पहले के 17 फीसदी से बढ़कर लगभग 40 फीसदी हो गई है। आयात में अफ्रीका की हिस्सेदारी आधी होकर 4 फीसदी हो गई, जबकि अमेरिकी तेल की हिस्सेदारी 2.8% से बढ़कर 3.2 फीसदी हो गई। मध्य पूर्वी देशों की हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी से घटकर 44 फीसदी हो गई। भारत का अप्रैल-सितंबर तेल आयात एक साल पहले से 1.6 फीसदी कम होकर लगभग 45 लाख बीपीडी हो गया है।

ओपेक ने की तेल बाजारों को स्थिर करने में मदद

रूस ने कहा कि प्रमुख तेल उत्पादकों के समूह ओपेक प्लस ने तेल बाजारों को स्थिर करने में मदद की है। रूसी तेल पर मूल्य सीमा के रूप में पश्चिमी हेरफेर के बावजूद बाहरी दबाव का विरोध किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एलेक्सी जैतसेव ने शुक्रवार को साप्ताहिक बैठक में कहा कि रूस वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए एक जिम्मेदार आपूर्तिकर्ता है और ओपेक प्लस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है।

कई हफ्ते की गिरावट के बाद 1.15 अरब डॉलर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार

लगातार कई सप्ताह तक गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 1.153 अरब डॉलर बढ़कर 585.895 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.166 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। अक्तूबर, 2021 में देश के पास रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 13 अक्तूबर वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 17.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 519.351 अरब डॉलर रह गई। इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 1.26 अरब डॉलर बढ़कर 43.57 अरब डॉलर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का रिजर्व भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.97 अरब डॉलर पार पहुंच गया।

सरकार ने किसानों को दिया दिवाली का गिफ्ट, खाद पर जारी रहेगी सब्सिडी

पुराने रेट पर मिलेगा यूरिया

नई दिल्ली। एजेंसी

किसानों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने रबी सीजन के लिए फर्टिलाइजर सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 12 करोड़ किसानों को फायदा होगा। इससे सरकारी खजाने पर 22,303 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट और सीसीईए की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती हुई फर्टिलाइजर की कीमतों का प्रभाव भारतीय किसानों पर नहीं पड़ेगा। रबी सीजन 2023-24 के लिए न्यूट्रिएंट बेस्ट सब्सिडी (NBS) फिक्स करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक के बाद कहा कि एनबीएस पॉलिसी के तहत फिक्स किए गए रेट रबी के सीजन के लिए एक अक्टूबर से 31 मार्च 2024 तक रहेंगे। आगामी रबी सीजन के लिए नाइट्रोजर पर प्रति किलो 47.2 रुपये, फॉस्फोरस पर 20.82 रुपये, पोटाश पर 2.38 रुपये और सल्फर पर 1.89 रुपये प्रति किलो सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 2021 से ही सब्सिडी की दरें इस प्रकार निर्धारित कर रही है कि अंततराष्ट्रीय स्तर पर कीमतें बढ़ने से भारतीय किसानों को कोई असर न हो। इस बार भी किसानों को खाद रियायती दरों पर मिलती रहेगी।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

2030 तक जापान से आगे निकल जाएगी भारत की GDP

बनेगी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (Indian Economy) है। 2030 तक 7300 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। वहीं, एशिया में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग ने अपने नवीनतम खरीद प्रबंधक सूचकांक (इश्ध) में यह बात कही। वर्ष 2021 और 2022 में दो वर्षों की तीव्र आर्थिक वृद्धि के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023 वित्त वर्ष में भी निरंतर मजबूत वृद्धि दिखाना जारी रखा है।

इस वित्त वर्ष 6.2-6.3 प्रतिशत रहेगी जीडीपी ग्रोथ

मार्च 2024 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) 6.2-6.3 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी। अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही।

2023 तक जापान से आगे निकल जाएगा भारत

एसएंडपी ग्लोबल ने कहा, 'निकट अवधि के आर्थिक दृष्टिकोण में 2023 के शेष के समय और 2024 में निरंतर तेज विस्तार का अनुमान है। जो घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि पर आधारित है। अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में मापी गई भारत की मौजूदा कीमतों की जीडीपी 2022 में 3500 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7300 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। आर्थिक विस्तार की इस तीव्र गति के परिणामस्वरूप 2030 तक भारतीय जीडीपी का आकार जापान की जीडीपी से अधिक हो जाएगा, जिससे भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।'

अमेरिका है टॉप पर

मौजूदा समय में अमेरिका 25,500 अरब अमेरिकी डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद चीन 18000 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरी और जापान 4200 अरब डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वहीं भारतीय जीडीपी का आकार 2022 तक ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था। 2030 तक भारत की जीडीपी जर्मनी से भी आगे निकलने का अनुमान है।

देश में 86 पॉवर प्लांट्स में कोयला भंडार का बड़ा संकट

सामान्य स्तर से भी कम बचा स्टॉक

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में 86 ताप बिजली संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर तक कोयले

भंडार 'गंभीर' स्तर पर था। इनमें से छह संयंत्र आयातित ईंधन पर आधारित हैं। केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। किसी बिजली संयंत्र में कोयला भंडार की स्थिति तब गंभीर मानी जाती है, जब उसके पास कोयले का भंडार सामान्य स्तर की तुलना में 25 प्रतिशत से भी कम रह जाता है। सीईए की 18 अक्टूबर 2023 की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, देश में निगरानी वाले 181 ताप बिजली संयंत्रों में से 86 में कोयला भंडार की स्थिति गंभीर हैं। इन 86 में से छह आयातित कोयला आधारित संयंत्र हैं।

सीईए देश में 206 गीगावॉट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 181 कोयला आधारित ताप बिजली संयंत्रों की निगरानी करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, करीब 149 गीगावाट की कुल क्षमता वाले कोयला खानों से दूर स्थित 148 घरेलू कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार सामान्य स्तर के 29 प्रतिशत से कम है। इन 148 संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर 2023 तक 4.35 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले लगभग 1.27 करोड़ टन कोयला था।

दूर दराज से पहुंचाना पड़ता है कोयला

वहीं 18 खानों के पास स्थित कोयला आधारित संयंत्रों की स्थिति बेहतर है। इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर की तुलना में 81 प्रतिशत कोयला है। इन 18 संयंत्रों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 40 गीगावाट है। विशेषज्ञों का मानना है कि आमतौर पर कोयला खानों के पास स्थित संयंत्रों में शुष्क ईंधन स्टॉक की स्थिति गंभीर नहीं होती है। वहीं जो संयंत्र कोयला खानों के पास नहीं हैं, उनके लिए कोयला दूरदराज से पहुंचाना पड़ता है।

सीईए करता है निगरानी

सीईए की निगरानी के तहत आने वाले 15 आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार की स्थिति बेहतर थी। इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर से 52 प्रतिशत कोयले का भंडार था। इन 15 आयातित कोयला आधारित संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता 17 गीगावाट है। रिपोर्ट से पता चला कि करीब 206 गीगावाट की कुल क्षमता वाले इन 181 बिजली संयंत्रों के पास 5.43 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले 2.04 करोड़ टन (आदर्श स्तर का 38 प्रतिशत) कोयला भंडार था। इन 181 संयंत्रों की दैनिक ईंधन आवश्यकता 28 लाख टन है। इस प्रकार उनके पास 18 अक्टूबर 2023 तक सात दिन से थोड़ा अधिक समय तक चलने वाला कोयला भंडार है।

नवंबर में होने जा रहे हैं ये बड़े बदलाव, सीधा आम आदमी की जेब पर डालेंगे असर

नई दिल्ली। एजेंसी

अभी अक्टूबर का महीना खत्म होने में 5 दिन बाकी हैं। इसके बाद नवंबर महीने की शुरुआत हो जाएगी। देश में हर महीने की पहली तारीख को कई बदलाव होते हैं। ये बदलाव सीधे आम आदमी की जेब से जुड़े होते हैं। अगले महीने यानी नवंबर में भी पहली तारीख को कई बदलाव होने जा रहे हैं। आपको इन बदलावों के बारे में पहले से जानकारी होना जरूरी है। ऐसा नहीं होने पर आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। यहां हम आपको नवंबर में होने जा रहे सभी बड़े बदलावों के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। इन बदलावों में जीएसटी से लेकर लैपटॉप इंपोर्ट तक कई बदलाव शामिल हैं। आईए आपको बताते हैं इन बदलावों के बारे में।

होने जा रहे ये बदलाव

एलपीजी सिलेंडर के दाम हर महीने की पहली तारीख को गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव की संभावना रहती है, क्योंकि हर महीने की पहली तारीख को इनकी समीक्षा होती है। ऐसे में इनमें बढ़ोतरी भी हो सकती है और कटौती भी। साथ ही ऐसा भी हो सकता है कि कीमतों में कोई बदलाव न किया जाए यानी मौजूदा रेट बरकरार रखा जाए। वहीं राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र यानी एनआईसी के मुताबिक, सौ करोड़ रुपये या उससे ज्यादा के कारोबार वाले बिजनस को एक नवंबर से 30 दिनों के अंदर ई चालाना पोर्टल पर जीएसटी चालान अपलोड करना होगा। जीएसटी अथॉरिटी ने ये फैसला सितंबर में लिया था।

इंपोर्ट को लेकर डेडलाइन

सरकार ने 30 अक्टूबर तक एचएसएन 8741 कैटेगरी के तहत आने वाले लैपटॉप टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक चीजों के इंपोर्ट पर छूट दी थी। हालांकि एक नवंबर से क्या होगा इसके बारे में अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

लेनदेन शुल्क

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई ने बीते 20 अक्टूबर को ऐलान किया था कि वह 1 नवंबर से इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट पर लेनदेन शुल्क बढ़ाएगा। ये बदलाव एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स ऑप्शंस पर लगाए जाएंगे। लेनदेन की लागत बढ़ाने से व्यापारियों इसमें भी विशेषकर खुदरा निवेशकों पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक लाख करोड़ के नोटिस?

राजस्व से 10 गुना तक टैक्स बकाया

नई दिल्ली। एजेंसी

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी में ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को अब तक एक लाख करोड़ रुपये के कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, कंपनियों को उनके कुल राजस्व से 10 गुना तक कर बकाये के नोटिस थमाए गए हैं। यह मामला ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों की तय अवधि की सेवाओं पर जीएसटी से जुड़ा है, जिन पर 18 फीसदी के बजाय 28 फीसदी की दर से जीएसटी लग रहा है।

अधिकारी ने बताया, ड्रीम11 जैसे कई ऑनलाइन गेमिंग मंच और डेल्टा कॉर्प जैसे कसीनो संचालकों को करों के पूर्ण भुगतान नहीं करने के आरोप में नोटिस भेजे हैं। इससे पहले गेमिंग मंच गेम्सक्राफ्ट को 21,000 करोड़ रुपये की कथित जीएसटी चोरी के लिए बीते साल सितंबर में नोटिस भेजा गया था। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया था। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ जुलाई में सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है।

विदेशी कंपनियों का डाटा नहीं

अधिकारी ने बताया, एक अक्तूबर के बाद से देश में पंजीकृत विदेशी गेमिंग कंपनियों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं है। कानून में संशोधन के बाद एक अक्तूबर से विदेशी कंपनियों के लिए भारत में पंजीकरण जरूरी हो गया है।

इसलिए खींचतान...

जीएसटी परिषद ने अगस्त, 2023 में स्पष्ट किया था, ऑनलाइन गेमिंग मंच पर लगाए गए दांव के पूर्ण मूल्य पर एक अक्तूबर से 28 फीसदी जीएसटी देय होगा। विवाद यह है कि एक अक्तूबर से पहले के दांव पर किस दर से कर लगेगा? कंपनियों का कहना है, 28 फीसदी जीएसटी का प्रावधान एक अक्तूबर से लागू है, इसलिए पहले के दांव पर 18 फीसदी कर लगना चाहिए। पर, सरकार का तर्क है, एक अक्तूबर से बदलाव पहले से चल रहे नियम को सिर्फ स्पष्ट करने के लिए है। इसलिए, 28 फीसदी जीएसटी ही चुकाना होगा।

सरकार ने किसानों को दिया दिवाली का गिफ्ट, खाद पर जारी रहेगी सब्सिडी

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठाकुर ने साथ ही कहा कि रबी सीजन के लिए डीएपी पर 45 रुपये प्रति टन की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। इससे किसानों के डीएपी 1350 रुपये प्रति बैग के पुराने रेट पर ही मिलेगी। इसी प्रकार किसानों को एनपीके 1470 रुपये प्रति बैग और एसएसपी 500 रुपये प्रति बैग पर उपलब्ध होगा। इनमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। किसानों को एक रुपया भी नहीं देना पड़ेगा। एनओपी अब 1700 रुपये के बजाय 1655 रुपये प्रति बैग मिलेगा। यानी 45 रुपये कम किया जा रहा है। यूरिया पर एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। देश में बनने वाले एसएसपी पर भी फ्रेट सब्सिडी जारी रहेगी।

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा बिजनस पार्टनर

चीन दूसरे नंबर पर, देखिए क्या कह रहे आंकडें

नई दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और घटते निर्यात एवं आयात के बावजूद अमेरिका चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2023 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार (India US Trade) 11.3 फीसदी घटकर 59.67 अरब डॉलर रह गया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 67.28 अरब डॉलर था। अप्रैल-सितंबर, 2023 में अमेरिका को निर्यात घटकर 38.28 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में 41.49 अरब डॉलर था। अमेरिका से आयात

भी घटकर 21.39 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 25.79 अरब डॉलर था।

भारत और चीन के बीच कारोबार घटा

इसी तरह, भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी 3.56 फीसदी घटकर 58.11 अरब डॉलर रह गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात मामूली रूप से घटकर 7.74 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 7.84 अरब डॉलर था। चीन से आयात भी घटकर 50.47 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल समान अवधि में 52.42 अरब डॉलर था।

ग्लोबल डिमांड में कमजोरी का असर

एक्सपर्ट्स का मानना है कि वैश्विक मांग में कमजोरी के कारण भारत और अमेरिका के बीच निर्यात तथा आयात में गिरावट आ रही है, लेकिन व्यापार वृद्धि जल्द सकारात्मक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आने वाले वर्षों में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का रुझान जारी रहेगा, क्योंकि भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

GSP का फायदा मिले

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात व आयात (एक्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष संजय बुधिया ने पहले कहा था भारतीय निर्यातकों को अमेरिका द्वारा 'सामान्य तरजीह प्रणाली' (जीएसपी) लाभ की बहाली के लिए शीघ्र समाधान समय की मांग है। क्योंकि इससे द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलने में मदद मिलेगी। मुंबई स्थित निर्यातक खालिद खान ने कहा कि रुझान के अनुसार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहेगा। लुधियाना के निर्यातक एस. सी. रल्हन ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार लगातार बढ़ेगा।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने दिवाली के उपलक्ष पर जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स को लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड, जो कि 2.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर के विविधीकृत सीके बिरला ग्रुप का अंग है, ने दिवाली की जीवंत परंपराओं और उल्लासमय माहौलसे प्रेरित फेस्टिव लाइट्स की अपनी जॉयलाइट रेंज पेश की है। ओरिएंट जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स में सजावटी लाइट्स की एक विस्तृत और आकर्षक श्रृंखला है जो किसी भी जगह को रोशन करने के साथ साथ उत्सव और उल्लास की भावना को बढाती हैं इस श्रृंखला में दिया स्टार बॉल क्रिस्टल एलईडी तोरण लाइट, गणेश जी और स्वास्तिक, रोज़री और पिक्सेल स्ट्रिंग लाइट एवं रोप लाइट शामिल हैं।

ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड के एक्ज़ीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, पुनीत धवन ने कहा, 'हम भारत में 'रोशनी के त्योहार' का सांस्कृतिक महत्व समझते हैं। इसलिए हम हर्ष और उल्लास से पूर्ण दिवाली के उत्सव से पहले अपनी जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स पेश करके बहुत उत्साहित हैं। ये मेड-इन-इंडिया लाइट्स किसी भी जगह की सजावट में चार चाँद लगाकर त्यौहार की खुशियों को और रोशन करने में सक्षम हैं। जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स को लॉन्च करने का हमारा उद्देश्य

ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली ब्रांडेड सजावटी लाइट्स प्रदान करना भी है।हमारी यह आकर्षक रेंज दिवाली के अतिरिक्त शादियों, पार्टियों तथा अन्य विशेष अवसरों के लिए भी उपयुक्त है भारत में लाइटिंग उद्योग के एक अग्रणी ब्रांड के रूप में हम भारतीय ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इनोवेटिव और उच्च गुणवत्ता के लाइटिंग सॉल्यूशंस प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

मेड-इन-इंडिया ओरिएंट जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स कई आकारों, रंगों और लंबाई में उपलब्ध होंगी, जो दीपावली के मौके पर लोगों को अपने घरों को भव्यता से जगमगाने में मदद करेंगी। जॉयलाइट रेंज में सितारों सी टिमटिमाती चमकदार स्ट्रिंग लाइटों से लेकर सदा से आकर्षण प्रदान करने वाली दिया लाइट्स तक अनेक विकल्प हैं। ओरिएंट जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स सामान्य लाइटों से बहुत खास हैं। इनमें उच्च ल्यूमन आउटपुट, लंबे समय तक मूल चमक बरकरार रखना मोटे कॉपर वायर, भारत- विशिष्ट अनुकूलित प्लग जैसी अनेक खूबियाँ हैं। कंपनी अपने ब्रांड स्टोर से विभिन्न कॉम्बिनेशन में जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स के बंडल्ड दिवाली गिफ्ट बॉक्स भी पेश कर रही है। ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने जॉयलाइट फेस्टिव लाइट्स के प्रचार के लिए टीवी, प्रिंट और डिजिटल में एक एडवरटाइज़िंग कैंपेन भी शुरू किया है।

जंग की चपेट में कारोबार

इजराइल में बोरिया-बिस्तर समेट रही कंपनियां, नेस्ले ने बंद किया बिजनेस

नई दिल्ली। एजेंसी

हमास आतंकियों के हमले के बाद से इजरायल ने पलटवार कर दिया है। इजरायल के जवाबी हमले से वहां युद्ध की शुरुआत हो गई। बीते दो हफ्तों से इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी जंग का अब कारोबार पर असर पड़ने लगा है। इजरायल जंग के चलते कारोबार प्रभावित होने लगा है। दुनियाभर की कई बड़ी कंपनियां अब युद्धग्रस्त क्षेत्र से अपना कारोबार समेट रही हैं। सुरक्षा को देखते हुए कंपनियों ने कारोबार समेटना शुरू कर दिया है। 156 साल पुरानी और दुनिया की सबसे बड़ी कंज्यूमर गुड्स कंपनियों में से एक नेस्ले (नेस्ले) ने इजरायल में अपना कारोबार बंद करने का फैसला किया है।

कंपनियां समेट रही कारोबार

कंपनियों ने इजरायल में अपना कारोबार समेटना शुरू कर दिया है। नेस्ले ने अस्थाई तौर पर इजरायल स्थित अपना प्लांट बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा है कि इजरायल में जारी जंग के चलते गम अपने प्रोडक्शन प्लांट्स को अस्थायी रूप से बंद कर रहे हैं। अपने प्रोडक्डशन और कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए कंपनी ने ये फैसला लिया है। कंपनी के सीईओ मार्क श्नाइडर ने कहा कि हमारा फोकस अपने कर्मचारियों की सुरक्षा पर है। इजरायल और हमास के बीच जारी जंग को देखते हुए कंपनियां कारोबार समेटने लगी है। नेस्ले ही नहीं कई और कंपनियां इस बारे में विचार कर रही है।

भारत की इन कंपनियों का इजरायल में कारोबार

भारत की दर्जनों कंपनियां इजरायल में कारोबार कर रही हैं। भारत और इजरायल के बीच कूटनीतिक स्तर से लेकर राजनीतिक स्तर पर संबंध है। इजरायल की 500 से अधिक कंपनियां भारत में कारोबार कर रही हैं। वहीं अडानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, डॉ रेड्डी, ल्यूपिन , टेक महिंद्रा, टाटा कंपनी की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, विप्रो जैसी कंपनियों का बड़ा निवेश है। ये कंपनियां अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर परेशान है और हालात पर नजरें बनाए हुए है। इस युद्ध का असर शेयर बाजार पर दिख रहा है। जंग के बीच शेयर बाजार लगातार धड़ाम हो रहे हैं।

अगले महीने कुल 15 दिन बंद रहेंगे बैंक, कई लॉन्ग वीकेंड भी, यहां देखिए पूरी लिस्ट

नई दिल्ली । एजेंसी

यह फेस्टिव सीजन चल रहा है। नवरात्रि और दशहरा जा चुके हैं। अब दिवाली और छठ पर्व आएंगे। इस दौरान अलग-अलग जोन में बैंकों की भी छुट्टी (हेव प्दर्ट्ब) रहेगी। अगर आपको बैंक ब्रांच में जाकर जरूरी काम निपटाने हैं, तो समय पर निपटा लें। आप चूक गए तो छुट्टी के चलते आपके काम अटक सकते हैं। वैसे इस समय अधिकांश बैंकिंग कार्य ऑनलाइन हो जाते हैं। बैंक के ऐप के जरिए आप अपने मोबाइल से ही अपने कई बैंक से जुड़े काम पूरे कर सकते हैं। फिर भी लोन और खाता खुलवाने जैसे कुछ कामों के लिए बैंक जाने की जरूरत पड़ जाती है।

नवंबर में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

अगले महीने यानी नवंबर में कई त्योहार आने वाले हैं। इसके चलते अलग-अलग जोन में कुल 15 दिन बैंक बंद (Bank holidays in November) रहेंगे। नवंबर में 6 तो साप्ताहिक छुट्टियां होंगी। इसके अलावा अलग-अलग जोन में 9 दिन बैंक बंद रहेंगे। 1 नवंबर को कन्नड़ राज्योत्सव/कुट/करवा चौथ है। 10 नवंबर को वंगाला महोत्सव है। 13 नवंबर को गोवर्धन पूजा/लक्ष्मी पूजा (दीपावली)/दिवाली है। 14 नवंबर को दिवाली (बाली प्रतिपदा)/दीपावली/विक्रम संवंत नव वर्ष दिवस/लक्ष्मी पूजा है। 15 नवंबर को भाईदूज/चित्रगुप्त जयंती/लक्ष्मी पूजा (दीपावली)/निंगोल चक्कौबा/भ्रातृद्वितीया है। 20 नवंबर को छठ (सुबह का अर्घ्य) है। 23 नवंबर को सेंग कुत्सनेम/ईगास-बग्वाल है। 27 नवंबर को गुरु नानक जयंती/कार्तिक पूर्णिमा/रहस पूर्णिमा है और 30 नवंबर को कनकदास जयंती है।

नवंबर में इन तारीखों पर बंद रहेंगे बैंक

1 नवंबर 2023 : कन्नड़ राज्योत्सव/कुट/करवा चौथ के कारण बेंगलुरु, इंफाल और शिमला में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

5 नवंबर, 2023 : रविवार के कारण बैंकों में साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

10 नवंबर, 2023 : गोवर्धन पूजा/लक्ष्मी पूजा/दीपावली/दिवाली के कारण शिलांग में बैंक बंद रहेंगे।

11 नवंबर, 2023 : दूसरे शनिवार के कारण बैंकों में अवकाश रहेगा।

12 नवंबर, 2023 : रविवार के कारण बैंकों में साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

13 नवंबर, 2023 : गोवर्धन पूजा/लक्ष्मी पूजा/दीपावली/दिवाली के कारण अगरतला, देहरादून, गंगटोक, इंफाल, जयपुर, कानपुर, लखनऊ में बैंकों में अवकाश रहेगा।

14 नवंबर, 2023 : दिवाली (बलि प्रतिपदा)/विक्रम संवत नया साल/ लक्ष्मी पूजा के कारण अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, गंगटोक, मुंबई, नागपुर में बैंकों में अवकाश रहेगा।

15 नवंबर, 2023 : भाई दूज/चित्रगुप्त जयंती/लक्ष्मी पूजा/निंगाल चक्कूबा/भ्रातृ द्वितीया के कारण गंगटोक, इंफाल, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ और शिमला में बैंक बंद रहेंगे।

19 नवंबर, 2023 : रविवार के कारण बैंकों में साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

20 नवंबर, 2023 : छठ के कारण पटना और रांची में बैंक बंद रहेंगे।

23 नवंबर, 2023 : सेंग कुट स्नेम/इगास बग्वाल के कारण देहरादून और शिलांग में बैंक बंद रहेंगे।

25 नवंबर, 2023 : चौथा शनिवार होने के कारण बैंकों में अवकाश रहेगा।

26 नवंबर, 2023 : रविवार के कारण बैंकों में साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

27 नवंबर, 2023 : गुरु नानक जयंती/ कार्तिक पूर्णिमा के कारण अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंफाल, कोच्चि, पणजी, पटना, त्रिवेंद्रम और शिलांग को छोड़कर पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

30 नवंबर, 2023 : कनकदास जयंती के कारण बेंगलुरु में बैंक बंद रहेंगे।

महंगी EMI से अभी नहीं मिलेगी राहत

RBI के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताई वजह

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि ब्याज दर फिलहाल ऊंची बनी रहेंगी और केवल समय ही बताएगा कि यह कितने समय तक ऊंचे स्तर पर रहेगी। मौजूदा भू-राजनीतिक संकट के मद्देनजर, दुनिया भर के प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने महंगाई से निपटने के लिए अपनी प्रमुख नीतिगत दरें बढ़ा दी हैं। हालांकि महंगाई पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक ने इस साल फरवरी से नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। यह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार है। इससे पहले पिछले साल मई से लेकर कुल छह बार में रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस कारण होम लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो गए हैं।

दास ने कौटिल्य इकनॉमिक कॉन्क्लेव 2023 में एक सवाल के जवाब में कहा कि ब्याज दर फिलहाल ऊंची रहेगी। कब तक यह तो समय ही बताएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मॉनीटरी पॉलिसी को सक्रिय रूप से महंगाई पर लगाम लगाने वाली होना चाहिए। इसके ऐसा होने से ही जुलाई में 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर से महंगाई में गिरावट सुचारू रूप से जारी रही। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है।

ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बनेगा भारत

उन्होंने कहा कि मूल्य स्थिरता तथा वित्तीय स्थिरता एक-दूसरे के पूरक हैं और आरबीआई ने दोनों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने का प्रयास किया है। सब्जियों तथा ईंधन की कीमतों में नरमी के कारण सितंबर में सालाना आधार पर खुदरा महंगाई घटकर तीन महीने के निचले स्तर 5.02 प्रतिशत आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई अगस्त में 6.83 प्रतिशत और सितंबर 2022 में 7.41 प्रतिशत थी। जुलाई में महंगाई 7.44 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। गवर्नर ने कहा, 'हमने नीतिगत दर पर रोक बरकरार रखी है। अब तक 2.50 प्रतिशत की वृद्धि वित्तीय प्रणाली के जरिए अब भी काम कर रही है।' उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान से मौद्रिक नीति का असर तेजी से और प्रभावी रूप से दिखने लगा है। गवर्नर ने अपने भाषण में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब तीन चुनौतियों महंगाई, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम का सामना कर रही है। घरेलू वित्तीय क्षेत्र के संबंध में उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक तनाव की स्थिति के दौरान भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं को बनाए रखने में सक्षम होंगे। दास ने कहा कि भारत ग्लोबल ग्रोथ का नया इंजन बनने के लिए तैयार है और मार्च 2024 में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

2000 का नोट चलन से बाहर, क्या अब लौट रहा है 1000 वाला नोट?

रिजर्व बैंक ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले महीने मतलब सितंबर 2023 का आखिरी दिन 2000 रुपये ने नोट के लिए भी आखिरी दिन ही था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने लगभग 4 महीने पहले इसे चलन से बाहर करने का निर्णय लिया था। लोगों को 4 महीने का अच्छा-खासा समय दिया गया कि वे अपने 2000 रुपये के नोट बैंक से बदलवा सकें। इसके खत्म होने के बाद फिर से 7 दिन का समय देते हुए इसकी डेट 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी।

चूंकि अब 2000 रुपये का नोट बाजार में नहीं है तो कुछ चर्चाएं और अफवाहें भी उड़ रही हैं। कहा जा रहा है कि 2000 का नोट बंद करके सरकार अब 1000 रुपये का नोट ला रही है। हालांकि इससे पहले भी ऐसी चर्चा जोर पकड़ती रही है, मगर सरकार और रिजर्व बैंक ने इस पर स्थिति साफ करते हुए कहा है कि ऐसी कोई योजना नहीं है। दरअसल, 2000 रुपये की नोट को चलन से बाहर करने के लिए रिजर्व बैंक (RBI) ने 30 सितंबर, 2023 तक का समय दिया था। तय डेडलाइन तक 87 फीसदी करेंसी वापस बैंकों में जा चुकी है, लेकिन अब भी करीब 10 हजार करोड़ रुपये के 2000 के नोट मार्केट में हैं। हालांकि, अब इनकी वैलिडिटी समाप्त हो चुकी है। इसका मतलब है कि जिनके पास भी 2000 रुपये के नोट हैं, उसका लेनदेन में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

कब आएगा 1000 का नोट

सोशल मीडिया पर 1000 रुपये के नोट की वापसी को लेकर तमाम यूजर्स ने अनुमान जताया है। कई ने तो दावे तक कर डाले कि 2000 की नोट बंद होने के बाद जल्द ही 1000 रुपये की करेंसी सिस्टम में आने वाली है। हालांकि, इस पर रिजर्व बैंक ने दो टूक जवाब दिया है कि 1000 रुपये की नोट को दोबारा लाने का कोई प्लान नहीं है. न ही इसे लेकर भविष्य में कोई योजना है।

आरबीआई ने क्या कहा

रिजर्व बैंक ने साफ कर दिया है कि अर्थव्यवस्था में नकदी की जितनी जरूरत है, 500 रुपये के पर्याप्त नोट सर्कुलेशन में चल रहे हैं। डिजिटल लेनदेन भी तेजी से बढ़ रहा है तो कैश की उतनी जरूरत नहीं रहेगी। फिलहाल सिस्टम में उतना कैश फ्लो है, जितने की जरूरत है। रिजर्व बैंक ने लोगों से भी आग्रह किया है कि किसी भी तरह के अफवाह में न आएं और करेंसी को लेकर जागरुक रहें।

2000 के बचे नोट का क्या होगा

रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोटों को सर्कुलेशन से बाहर कर दिया है, जो 30 सितंबर के बाद से इनवैलिड हो गए हैं। हालांकि, 30 सितंबर की डेडलाइन बीतने के बाद भी 2000 की नोट को बदलने का विकल्प कायम है। जिनके पास भी अभी 2000 की करेंसी है, वे चाहें तो रिजर्व बैंक के रीजनल ऑफिस में जाकर नोट बदलवा सकते हैं. देशभर में आरबीआई के 19 रीजनल ऑफिस हैं।

बैंकों में नहीं लौटे 2000 के सभी नोट

अभी भी लोग दबाए बैठे हैं 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

2000 रुपये के नोट अभी भी मार्केट में मौजूद हैं। आरबीआई के अनुसार 2000 रुपये के नोट के रूप में 10 हजार करोड़ रुपये अभी भी लोगों के पास हैं। आरबीआई गवर्नर ने उम्मीद जताई है कि यह नोट बैंकों में जल्द जमा करा दिए जाएंगे। बता दें कि 2000 का नोट बदलने या जमा करने की लास्ट डेट बढ़ाकर 7 अक्टूबर तय की गई थी। यदि आपके पास अभी भी 2000 रुपये का नोट है तो अपने शहर में स्थिति आरबीआई कार्यालय में जाकर उसे बदल या जमा करने का लाभ उठा सकते हैं। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि 2,000 रुपये मूल्य के नोट वापस आ रहे हैं और 10,000 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट अभी भी लोगों के पास हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ये नोट भी वापस आ जायेंगे या जमा करा दिये जायेंगे। आरबीआई गवर्नर को उम्मीद है कि यह राशि भी वापस आ जाएगी। अक्टूबर की शुरुआत में गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि वापस लिए गए 2,000 रुपये के 87 प्रतिशत नोट बैंकों में जमा के रूप में वापस आ गए हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)ने 19 मई को वित्तीय जगत को आश्चर्यचकित कर दिया था जब उसने 2,000 रुपये के नोट को बंद करने की घोषणा की थी। 2000 रुपये का नोट रखने वाली जनता और संस्थाओं को शुरू में 30 सितंबर तक बैंकों में बदलने या जमा करने के लिए कहा गया था. बाद में अंतिम तिथि को 7 अक्टूबर तक बढ़ाया गया था।

7 अक्टूबर तक 2000 के नोट के रूप में 12 हजार करोड़ रुपये बाजार में मौजूद थे। इस तरह देखें तो 7 अक्टूबर से अबतक करीब 13 दिनों में 2000 के नोट के रूप में केवल 2 हजार करोड़ रुपये ही बैंकों में लौट सके हैं। जबकि, अभी भी मार्केट में 10 हजार करोड़ रुपये मौजूद हैं।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने लॉन्च किया बजाज फिनसर्व बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

मुंबई/पुणे। आईपीटी नेटवर्क

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने अपने चौथे फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट बजाज फिनसर्व बैंकिंग और पीएसयू फंड के लॉन्च की घोषणा की है। यह निवेशकों को कमाई का मौका देने के लिए डिजाइन किया गया निवेश का एक अवसर है। इस फंड का लक्ष्य निवेशकों को फिक्स्ड इनकम (निश्चित आय) में निवेश करने का अवसर देना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि उनके निवेश पोर्टफोलियो में हाई लेवल की क्रेडिट क्वालिटी हो।

यह फंड स्थिर रिटर्न की संभावना को बढ़ाते हुए क्रेडिट रिस्क को कम कर सकता है। फंड को यील्ड कर्व पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें लगभग 5-साल की मैच्योरिटी प्रोफाइल पर जोर दिया गया है। इससे फंड के प्रदर्शन की क्षमता बेहतर होती है और मौजूदा बाजार में यह निवेशकों को बेहतर रिस्क रिवार्ड प्रस्ताव प्रदान करता है, जहां यील्ड कर्व काफी हद तक फ्लैट है। यह निवेश योजना निवेशकों को उभरते बाजार बांड इंडेक्स में भारत के शामिल होने जैसे फैक्टर के चलते अपेक्षा के अनुसार कर्व के नीचे की ओर खिसकने और संभावित कैपिटल (पूंजी) की वैल्यू में बढ़ोतरी से लाभ उठाने का अवसर प्रदान करती है। इसके अलावा, मिड से लांग टर्म में बांड रैली की उम्मीद के साथ, यील्ड का औसत प्रत्यावर्तन, उचित मार्क-टु-मार्केट लाभ की संभावना प्रदान करता है। यह मिड से लांग टर्म के लिए निवेश का लक्ष्य रखने वाले निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

इस प्रोडक्ट के लॉन्च पर बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के सीईओ, गणेश मोहन ने कहा कि हमारा बैंकिंग और पीएसयू फंड निवेशकों के लिए बैंकिंग और पीएसयू सेक्टर में उपलब्ध फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट के अवसरों का लाभ उठाने का रास्ता खोलता है, साथ ही वे प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट का लाभ भी उठा सकते हैं। यह फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प है जो अपनी पूंजी उन विकल्पों में निवेश करना चाहते हैं, जहां स्थिर रिटर्न मिलता रहे। जो निवेशक अन्य पारंपरिक बैंकिंग प्रोडक्ट के अलावा कई तरह के डेट विकल्पों के जरिए अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह फंड एक आकर्षक प्रस्ताव हो सकता है।

ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इंदौर में अपना विशेष डिस्प्ले सेंटर लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सरफेसिंग सोलूशन्स के लिए दुनिया के प्रमुख 3 निर्माताओं में से एक ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज ने हाल ही में कुँवरजी ट्रेडर्स, 123 लाबरिया भेरू धार रोड, इंदौर. में विशेष डिस्प्ले सेंटर का उद्घाटन किया। शोरूम में ग्रीनलैम लैमिनेट्स की एक विशेष रेंज होगी, जिससे यह लेमिनेट सेगमेंट में इस तरह के आधुनिक कलेक्शन की पेशकश करने वाला इंदौर का एकमात्र स्टोर बन जाएगा। ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज को सुंदरता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सरफेसिंग सोलूशन्स बनाने के लिए जाना जाता है। बेहतरीन कला और उच्च गुणवत्ता के साथ-साथ क्वालिटी के प्रति वचनबद्धता की इनकी विरासत इनके प्रमुख ब्रांडों के प्रोडक्ट्स में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसकी बेहतरीन रेंज ग्रीनलैम के ग्राहकों के लिए टेक्स्चर, रंग और डिज़ाइन की कमर्शियल रेंज प्रदान करती है। उत्पादों की यह रेंज ग्रीनलैम के उपभोक्ताओं को उनके इन्टीरीअर को डिज़ाइन करते समय फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करने और उनकी रचनात्मकता को बढ़ाने में मदद करती है ।

ग्रीनलैम प्रत्येक लैमिनेट का निर्माण बारीकियों पर सावधानीपूर्वक ध्यान देकर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि केवल अंतरराष्ट्रीय स्टैंडर्ड्स और उच्च गुणवत्ता वाले बेहतर लैमिनेट डिस्ट्रीब्यूट किए जाते हैं। वुडग्रेन पैटर्न से लेकर ठोस सतहों तक, प्रत्येक उत्पाद को घरेलू , व्यापारिक और सार्वजनिक वातावरण में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है । लैमिनेट शीट में भी कई प्रकार की विभिन्न विशेषताएं होती हैं। लैमिनेट शीट के कई विशिष्ट गुणों में एंटी बैक्टीरियल , अग्निरोधी, गर्मी, खरोंच और शॉक प्रूफ होने के साथ इस लेमिनेट और कॉम्पैक्ट कलेक्शन में विभिन प्रकार के खूबसूरत व् उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद शामिल हैं। इनमें एंटी-फिंगरप्रिंट सरफेस , एचडी-ग्लॉस सरफेस, काउंटरटॉप लैमिनेट्स, यूनिकोर लैमिनेट्स, डिजिटल या कस्टम लैमिनेट्स, कॉम्पैक्ट बोर्ड, क्लैडिंग सॉल्यूशंस और टॉयलेट क्यूबिकल्स समेत कई अन्य शामिल हैं। शोरूम का उद्घाटन श्री शेख मुस्तफा कुँवरजी (मालिक),श्री नितिन नागपाल - रीजनल सेल्स मैनेजर और श्री सागर झा, ब्रांच मैनेजर, सेल्स , ग्रीनलैम लैमिनेट साथ किया। उद्घाटन पर बात करते हुए श्री नितिन नागपाल - रीजनल सेल्स मैनेजर, ग्रीनलैम लैमिनेट्स एलाइड ने कहा, ''हम शहर में अपने पहले एक्सक्लूसिव सेंटर के उद्घाटन के माध्यम से इंदौर के लोगों के लिए बेहतरीन ग्रीनलैम रिटेल अनुभव लाने के लिए रोमांचित हैं। हमारा डिस्प्ले सेंटर इंटीरियर स्पेस के लिए प्रोडक्ट्स की एक बेमिसाल कलेक्शन पेश करेगा, जो ग्राहकों को एक ही छत के नीचे सुविधाजनक रूप से मौजूद लैमिनेट्स की खूबसूरत रेंज प्रदान करेगा।

FD करवाने वालों के लिए खुशखबरी, अक्टूबर में 10 बैंकों ने बढ़ाया इंटरेस्ट रेट

मुंबई। एजेंसी

मंगलवार को ICICI Bank ने फिक्सड डिपॉजिट(इ॰) पर अपनी ब्याज दरों को रिवाइज किया और इसी के साथ यह दसवां बैंक बन गया, जिसने अक्टूबर महीने में एफडी पर ब्याज दरों को रिवाइज किया है। जानकारों का कहना है कि फेस्टिव सीजन में रिटेल लोन की डिमांड को देखते हुए बैंकों द्वारा फिक्सड डिपॉजिट पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर करने का यह सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। इतना ही नहीं महंगाई को देखते हुए आरबीआई के रुख के अनुसार इसमें और बढ़ोतरी की गुंजाइश है। RBI के डेटा के अनुसार अप्रैल-अगस्त 2023 में बैंक क्रेडिट 9.1% बढ़कर 124.5 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि इस अवधि में बैंक डिपॉजिट 6.6% बढ़कर 149.2 लाख करोड़ रुपये ही हुई। परिणामस्वरूप, बैंक इ॰ की ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल के इकोनॉमिस्ट निखिल गुप्ता के अनुसार फेस्टिव सीजन में क्रेडिट डिमांड बनी रहेगी। इधर लोगों की सेविंग कम हुई है और इसे देखते हुए डिपॉजिट रेट पर ब्याज दरें हाई रहने का रूख जारी रहने का अनुमान है।' फेस्टिवल सीजन में लोन की डिमांड बढ़ने के साथ ही बैंक अपनी डिपॉजिट रेट रिव्यू करती हैं। फिनटेक व इक्विटी रिसर्च कंपनी Fynocrat के फाउंडर गौरव गोयल कहते हैं, 'पूरे भारत में आगामी दो महीनों में बंपर लोन डिमांड है। लोग गाड़ियों से लेकर घर सभी के लिए लोन लेंगे। इस स्ट्रांग लोन डिमांड को पूरा करने के लिए वे ग्राहकों को FD पर आकर्षक इंटरेस्ट रेट ऑफर कर रहे हैं। हम फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट बढ़ते हुए देखेंगे।'

एक स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारी ने नाम नहीं बताए जाने की शर्त पर बताया कि बिना गारन्टी वाले रिटेल लोन में 30% क्रेडिट ग्रोथ पर खुश हो रहे बैंकों के लिए डिफॉल्ट का डर भी सामने खड़ा है। कर्ज नुकसान को कम करने के लिए और फेस्टिव डिमांड को पूरा करने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट पर इंटरेस्ट रेट बढ़ाने के सिवाय बैंकों के पास कोई चारा नही। आरबीआई पहले ही चेता चुका है और लोगों ने खर्च करना तो बहुत शुरु कर दिया, लेकिन सेविंग की आदत कम होती जा रही है। ऐसे बैंकों का यह मूव उनका शॉर्टेज ऑफ फंड और क्रेडिट डिस्पलेन दोनों को साध सकेगी।

इन्होंने बढाया FD पर इंटरेस्ट रेट

आईसीआईसीआई बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम की FD पर ब्याज दरों को रिवाइज किया है। 15 महीने से दो साल के पीरियड के लिए बैंक आम जनता को 7.10% और सीनियर सिटीजन को 7.65% का अधिकतम रिटर्न दे रहा है। सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने डिपॉजिट ब्याज दरों में ने फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम्स पर 1.25% तक ब्याज दरों को बढ़ा दिया है।यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक आम ग्राहकों को 4.5 फीसदी से लेकर 9% सालाना के हिसाब से ब्याज दर ऑफर कर रहा है। इसके अलावा एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, आईडीएफसी बैंक, इंडस्इंड बैंक, बैंक ऑफ इंडिया व कर्नाटक बैंक ने भी 2 करोड़ रुपये से कम की FD पर ब्याज दरों को रिवाइज किया है

चीन के वैज्ञानिकों ने 8 नए खतरनाक वायरस की खोज की

एक तो नया कोरोना, दुनिया को दी चेतावनी

बीजिंग। एजेंसी

चीन के वैज्ञानिकों के एक दल ने 8 नए वायरस की खोज की है और चेतावनी दी है कि ये इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं। इन खतरनाक वायरस को एक उष्णकटिबंधीय द्वीप हेनान पर पाया गया है। ये शोधकर्ता इन वायरस का अध्ययन कर रहे हैं ताकि दुनिया को कोरोना जैसी एक और महामारी के लिए तैयार किया जा सके। इन चीनी वैज्ञानिकों ने देश के हैनान द्वीप से चूहों और गिलहरियों से 700 नमूने लिए हैं। इस शोध के दौरान चीनी वैज्ञानिकों को 8 नए वायरस मिले हैं। इनमें से तो एक ठीक उसी वायरल परिवार का है जिसका कोरोना वायरस है।

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक इन वायरस के इंसानों को संक्रमित करने की बहुत ज्यादा आशंका है। उन्होंने और ज्यादा शोध की मांग की है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये वायरस किस तरह से इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं। चीनी वैज्ञानिकों की यह खोज वायरोलॉजिका सिनिका जर्नल में प्रकाशित हुई है जो चीन के सरकारी संगठन से जुड़ी हुई है। इस संगठन को चीन का सिविल अफेयर मंत्रालय देखता है। इस जर्नल के एडिटर डॉक्टर शी झेंगली ने एक प्रभावशाली वैज्ञानिक हैं जिन्होंने कोरोना वायरस के गढ़ वुहान इंस्टीट्यूट में भी काम किया है।

नए कोरोना वायरस का क्या है नाम ?

इस शोध में विभिन्न रोडेंट के एनस और गले से 682 नमूने लिए गए थे। इन जीवों को साल 2017 से 2021 के बीच में हेनान द्वीप से पकड़ा गया था। इसके बाद इन नमूनों को लैब में भेज दिया गया था ताकि उनकी जांच की जा सके। इस विश्लेषण से कई नए तरह के वायरस का खुलासा हुआ है। इनमें से एक तो नया करोना वायरस है और इसको CoV-HMU-1 नाम दिया गया है। इन वैज्ञानिकों ने कहा कि केवल नया कोरोना वायरस ही चिंता का विषय नहीं है। अन्य वायरस भी यलो फीवर और डेंगू से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि इनमें एस्टोवायरस भी शामिल हैं जो पेट में संक्रमण पैदा कर सकते हैं। एक वायरस तो ऐसा है जो कैंसर को बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसा संभव है कि कई और अज्ञात वायरस दुनिया के सुदूर इलाकों में छिपे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम हमारे वायरल श्रेणी की जानकारी को बढ़ाता है। यह अज्ञात वायरस के बारे में भी बताता है। बता दें कि कोरोना वायरस भी चीन के वुहान शहर से फैला था और इस महामारी की वजह से दुनियाभर में लाखों लोग मारे गए थे। अब इस नई खोज से दुनिया की धड़कनें बढ़ गई हैं।

आईटी कंपनियों का कमाल!

बाजार में कमजोरी के बावजूद जमकर कमा रहीं मुनाफा, लगातार बढ़ रहा प्रॉफिट

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की दिग्गज और टॉप आईटी कंपनियों के मुनाफे में उछाल देखा जा रहा है। इन कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। टॉप आईटी कंपनियों, जैसे टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, एचसीएलटेक और विप्रो का मुनाफा कमजोर बाजार में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष के बावजूद फलफूल रही हैं। इन कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सर्विसेज फर्म टीसीएस के संचालन का मार्जिन दूसरी तिमाही में 110 बेसिस पॉइंट बढ़कर 24.3 फीसदी हो गया। दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर फर्म इंफोसिस का मुनाफा इस तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले 40 बेसिस पॉइंट बढ़कर 21.2 फीसदी हो गया। इस तरह तीसरी सबसे बड़ी फर्म एचसीएल टेक का मुलाफा जुलाई से सितंबर की तिमाही में 18.5 फीसदी हो गया, जबकि इससे पिछली तिमाही में ये 17 फीसदी था, जबकि पिछले साल यह मुनाफा 18 फीसदी था। आगामी वित्त वर्ष के लिए इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो ने अगली तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व के लक्ष्य में कटौती की है। कंपनियां मार्केट में आई इस गिरावट का इस्तेमाल कॉस्ट मैनेजमेंट के बेसिक्स की ओर लौटने के लिए कर रही है। ईटी के अनुसार भारत की 245 बिलियन डॉलर की आईटी इंडस्ट्री के दिग्गजों को इस अवधि में कम विकास होने की उम्मीद है।

विशेलेषकों ने कहा कि छोटी अवधि में मुनाफे में होने वाले सुधार को कंपनियों की ओर सफलतापूर्वक मैनेज किए जाने की उम्मीद है। कंपनियां अब छोड़कर जाने वाले कर्मचारियों की जगह नई कर्मचारियों की भर्ती भी कम कर रही है। नियोक्ता अब नई भर्ती के समय उम्मीदवारों को दी जाने वाली सैलरी में भी बचत कर रही है।

शुक्र मणि पहनने के चमत्कारी फायदे

1. जीवन में प्रेम, धन, आकर्षण, सौंदर्य और सुख की प्राप्ति के लिए शुक्र ग्रह की कृपा मिलना अनिवार्य है और शुक्र देव की कृपा दिलाता है शुक्र मणि रत्न ।

2. शुक्र मणि के प्रभाव से सभी अंगों से बीमारियां और विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद मिलती है। यह शरीर को स्वस्थ रखने में भी लाभकारी है।

3. यदि आपकी याद्दाश्त कमजोर है या क्रिएटिव सोचने में दिक्कत होती है तो शुक्र मणि आपके दिमाग के बंद ताले को खोलकर आपकी मानसिक और बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

4. शुक्र मणि मूड को बेहतर कर सकता है और आपको अपने आसपास की नेगेटिविटी से बचाता है।

5. ज्योतिष के अनुसार मनुष्य के जीवन में ग्रहों का बहुत महत्व होता है। ग्रहों में से एक शुक्र ग्रह को भी बहुत लाभकारी और शुभ माना गया है।

6. यह व्यक्ति को सभी प्रकार के भौतिक सुख प्रदान करता है और सुख-सुविधाएं देता है। वैवाहिक जीवन मे आ रही अड़चने दूर करता है । शादी में आ रही अड़चने दूर करने के लिए चांदी का बना यंत्र में शुक्रमणि धारण करनी चाहिये।

7. यह स्टोन हर तरह की बीमारियों एवं विकारों के इलाज में मदद करता है। मानसिक और शारीरिक व्याधियों से शुक्र मणि स्टोन आपको रक्षा प्रदान कर सकता है। यह बीमारी पैदा करने वाली ऊजाओं और नकारात्मकता को सोख लेता है और उन्हें पर्यावरण में छोड़ने में भी मदद करता है।

8. चमत्कारिक शुक्र मणि सभी तरह की बुरी शक्तियों और ऊजाओं को नष्ट करता है। अगर कोई आपकी सफलता से जलता है या ईर्ष्या करता है तो शुक्र मणि ऐसे लोगों से आपकी रक्षा कर सकता है।

शुक्र मणि कैसे धारण करें

शुक्ल पक्ष या किसी भी शुक्रवार की सुबह स्नान के बाद घर के पूजन स्थल में बैठ जाएं। एक तांबे का पात्र लें और उसमें कच्चा दूध या गंगाजल डालें।

इसमें शुक्र मणि को डुबो दें और 108 बार 'ऊं शुक्राय नमः' का जाप करें। जाप पूर्ण होने पर धूप-दीप दें और फिर इसे धारण कर लें।

शरद पूर्णिमा पर लगेगा चंद्र ग्रहण

कैसे होगी चंद्रमा और लक्ष्मी पूजा? कब करें उपाय? जानें मुहूर्त

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

इस बार शरद पूर्णिमा के दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण लगने वाला है. आश्विन पूर्णिमा के दिन शरद पूर्णिमा होती है. इस साल शरद पूर्णिमा 28 अक्टूबर दिन शनिवार को है. शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहते हैं. मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने राधारानी और गोपियों के संग शरद पूर्णिमा की रात महारास रचाया था. शरद पूर्णिमा को व्रत रखकर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं और उसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार दान करते हैं. सत्यनारायण भगवान की पूजा करते हैं और कथा सुनते हैं. इससे घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है. शरद पूर्णिमा की रात माता लक्ष्मी और चंद्रमा की पूजा होती है. धन और वैभव की प्राप्ति के लिए माता लक्ष्मी से जुड़े ज्योतिष उपाय किए हैं, लेकिन चंद्र ग्रहण के सूतक काल के कारण रात में चंद्रमा और लक्ष्मी पूजा कैसे करेंगे?

कब से कब तक है शरद पूर्णिमा 2023

पंचांग के अनुसार, शरद पूर्णिमा की तिथि 28 अक्टूबर को 04 बजकर 17 एएम पर शुरू होगी और यह 29 अक्टूबर को 01 बजकर 53 एएम तक रहेगी. शरद पूर्णिमा को शाम 05 बजकर 20 मिनट पर चंद्रोदय होगा.

कब लगेगा साल का अंतिम चंद्र ग्रहण 2023

इस साल शरद पूर्णिमा के दिन चंद्र ग्रहण देर रात 01 बजकर 06 एएम पर लगेगा और चंद्र ग्रहण का समापन 29 अक्टूबर को 02 बजकर 22 एएम पर होना है. इसका सूतक काल 28 अक्टूबर को दोपहर 02:52 बजे से लग जाएगा. सूतक काल में पूजा और ज्योतिष उपाय नहीं किए जा सकते हैं.

शरद पूर्णिमा 2023 चंद्रमा और लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्र ग्रहण का सूतक काल दोपहर 02:52 बजे से लग रहा है, ऐसे में रात के समय न तो लक्ष्मी पूजा होगी और न चंद्रमा को अर्घ्य दे पाएंगे. इस स्थिति में ज्योतिषाचार्य का कहना है कि आप शरद पूर्णिमा पर लक्ष्मी पूजा और चंद्रमा पूजन या तो सूतक काल से पूर्व करें या फिर चंद्र ग्रहण के समापन के बाद करें.

हालांकि ग्रहण के बाद चंद्रमा और लक्ष्मी पूजा करना सही रहेगा. रात्रि में आपको शरद पूर्णिमा का चंद्रमा प्राप्त हो जाएगा. उसके अलावा शरद पूर्णिमा पर रात्रि के समय में ही माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और पूछती हैं कि कौन जा रहा है, इसलिए इसे कोजागरी पूर्णिमा कहते हैं. इस बार आप शरद पूर्णिमा पर लक्ष्मी पूजा चंद्र ग्रहण के बाद करें. उस समय ही शरद पूर्णिमा के ज्योतिष उपाय भी कर लें.

5 शुभ योग मे शरद पूर्णिमा 2023

इस साल शरद पूर्णिमा 5 शुभ योग में है. शरद पूर्णिमा के दिन सौभाग्य योग, सिद्धि योग, बुधादित्य योग, गजकेसरी योग और शश योग का निर्माण हो रहा है.

दशहरे के दिन इन दो पौधों की पूजा करने से टल जाएगी हर बुरी बला, माँ लक्ष्मी करेंगी धन वर्षा

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

जीत के प्रतीक 'दशहरे' का त्योहार है। पुराणों के अनुसार रावण पर भगवान श्री राम की जीत के उपलक्ष्य में विजयदशमी का ये त्योहार मनाया जाता है। विजयदशमी के दिन अपराजिता और शमी के पौधों का पूजा करने का विधान है। आज अपराजिता की पूजा से सालभर तक कार्यों में जीत हासिल होती है और किसी भी काम में रूकावट नहीं आ। आज दोपहर बाद घर के ईशान कोण, यानि उत्तर-पूर्व दिशा को अच्छे से साफ करके, उसे गोबर से लीपकर, उसके ऊपर चंदन से आठ पत्तियों वाला कमल का फूल बनाना चाहिए और संकल्प करना चाहिए- 'मम सकुटुम्बस्य क्षेम सिद्धयर्थे अपराजिता पूजनं करिष्ये' अगर आप ये मंत्र न पढ़

पायें, तो आपको इस प्रकार कहना चाहिए कि हे देवी! मैं अपने परिवार के साथ अपने कार्य को सिद्ध करने के लिये और विजय पाने के लिये आपकी पूजा कर रहा हूं। इस प्रकार कहकर उस कमल की आकृति के बीच में अपराजिता का पौधा रखना चाहिए। इसके बाद अपराजिता की दाहिनी ओर जया और बायीं ओर विजया शक्ति का आह्वाहन करना चाहिए । इसके बाद तीनों को प्रणाम करते हुए क्रमशः ये कहना चाहिए- 'अपराजितायै नमः' 'जयायै नमः' 'विजयायै नमः'। इस तरह मंत्र कहते हुए उनकी षोडशोपचार, यानि 16 उपचारों के साथ पूजा करनी चाहिए और प्रार्थना करनी चाहिए- 'हे देवी, यथाशक्ति जो पूजा मैंने अपनी रक्षा के लिये की है, उसे स्वीकार कीजिये। इस प्रकार पूजा के बाद देवी मां से अपने स्थान पर वापस जाने का आग्रह करें। जबकि राजा के संदर्भ में अलग तरह से प्रार्थना बतायी गयी है। वर्तमान समय में राजा की जगह प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य उच्चाधिकारी ये प्रार्थना कर सकते हैं- 'वह अपराजिता जिसने कण्ठहार पहन रखा है, जिसने चमकदार सोने की मेखला, यानि करधनी पहन रखी है, जो अच्छा करने की इच्छा रखती है, मुझे विजय दे।' इस प्रकार प्रार्थना के बाद देवी का विसर्जन करना चाहिए।

ऐसे करें शमी के पौधे की पूजा

अपराजिता पूजा के बाद अब बात करेंगे शमी पूजा की – शमी पूजा के लिये गांव की सीमा पर जाकर उत्तर-पूर्व दिशा में शमी के पौधेकी पूजा करनी चाहिए। सबसे पहले शमी की जड़ में लोटे से साफ जल चढ़ाना चाहिए और घी का दीपक जलाना चाहिए। शमी की पूजा के बाद सीमा उल्लंघन करना चाहिए, यानि अपने गांव या शहर की सीमा को लांघकर बाहर जाना चाहिये।

पौधे की पूजा करने से मिलता है मान-सम्मान

इन पौधों की पूजा करने से व्यक्ति को सालभर तक यात्राओं में लाभ मिलता है, यात्रा में किसी प्रकार की बाधा नहीं आती और काम में सफलता मिलती है। शमी की पूजा के बाद जीवन में उत्साह और प्रगति बनी रहती है। अपराजिता और शमी पूजा के अलावा आज खंजन, यानि नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना बड़ा ही शुभ माना जाता है। दशहरे के दिन इसका दर्शन करना अपनी किस्मत के दरवाजे खोलने के समान है। अगर आज आपको कहीं भी नीलकंठ के दर्शन हो जाये तो उसे देखते हुए कहना चाहिए- खंजन पक्षी, तुम इस पृथ्वी पर आये हो, तुम्हारा गला नीला एवं शुभ्र है, तुम सभी इच्छाओं को देने वाले हो, तुम्हें नमस्कार है।

फेस्टिव सीजन में चीनी हुई महंगी, सरकार की कोशिशों के बाद भी कम नहीं हो रहे भाव

नई दिल्ली। एजेंसी

त्योहारी सीजन में आवश्यक वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण लगाने के लिए केंद्र सरकार कई प्रयास में जुटी है। चीनी और टूटे चावलों के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। इसके बावजूद होलसेल और रिटेल में चीनी का भाव तेज, तो चावल मंदा चल रहा है। खारी बावली स्थित गली बताशा में चीनी के थोक विक्रेता गौरव अग्रवाल ने कहा कि चीनी की खपत 12 महीने होती है, लेकिन फेस्टिवल सीजन में मांग बढ़ जाती है। 20-25 दिनों में चीनी के प्राइस में 4 रुपये प्रति किलो का इजाफा हुआ है। अभी और भी रेट बढ़ने की आशंका है। मिलों में माल नहीं है। सरकार जितना मर्जी कंट्रोल लगा ले, भाव रुकना मुश्किल है। नवंबर से मिल शुरू हो जाएंगी। तब भी रेट उतरने के चांस कम हैं। यदि सरकार का प्रेशर होगा, तो बात अलग है। चीनी असेन्शल आइटम है, लिहाजा सरकार का फोकस है।

सरकार कर रही निगरानी

अभी थोक में 4,250 से 4,300 रुपये क्विंटल, तो रिटेल में 44-45 रुपये किलो चीनी बिक रही है। केंद्र में खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव संजीव चोपड़ा का दावा है कि भारत में चीनी का पर्याप्त स्टॉक रहेगा। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण प्रोग्राम के तहत ग्रीन एनर्जी की दिशा में भारत के प्रयासों में निरंतरता बनी रहेगी। सरकार का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी का मूल्य 12 वर्ष में सबसे महंगा है। इसके बावजूद भारत में चीनी विश्व में सबसे सस्ती है। रिटेल प्राइस में मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता तय करने के लिए सरकार चीनी मिलों के मासिक डिस्पैच की निगरानी कर रही है। सभी व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बिग चेन रिटेलर, चीनी प्रसंस्करणकर्ताओं को अपने चीनी स्टॉक की स्थिति की जानकारी पोर्टल पर देने के लिए निर्देश दिया गया है।

उबले चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क

केंद्र ने 2022-23 में 1.78 मिलियन टन गैर-बासमती चावल और 4.6 मिलियन टन बासमती चावल का निर्यात किया था। गैर-बासमती चावल निर्यात में से लगभग 7.8-8 मिलियन टन चावल उबला हुआ था। 25 अगस्त 2023 से उबले चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क शुरू में 15 अक्टूबर 2023 तक लगाया गया था, जिसे अब 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

इन देशों को चावल निर्यात में केंद्र ने दी ढील

भारत ने गैर-बासमती सफेद चावल पर प्रतिबंध के बावजूद विशिष्ट देशों को गैर-बासमती सफेद चावल की विशिष्ट मात्रा के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया है। चावल निर्यात के पात्र देशों में नेपाल (95,000 मीट्रिक टन), कैमरून (1,90,000 मीट्रिक टन), मलेशिया (1,70,000 मीट्रिक टन), फिलीपींस (2,95,000 मीट्रिक टन), सेशेल्स (800 मीट्रिक टन), कोर डी आइवोर (1,42,000 मीट्रिक टन), और गिनी गणराज्य (1,42,000 मीट्रिक टन), संयुक्त अरब अमीरात (75,000 मीट्रिक टन), भूटान (79,000 मीट्रिक टन) सिंगापुर (50,000 मीट्रिक टन) तथा मॉरीशस (14,000 मीट्रिक टन) शामिल हैं।

बाजार में चावल की कोई कमी नहीं

दिल्ली ग्रेन मर्चेंट असोसिएशन के प्रेजिडेंट नरेश गुप्ता ने बताया कि चावल तो पहले ही सस्ता हो रहा है। होलसेल में 28 से 32 रुपये किलो तक परमल चावल है। चावल के दाम घट रहे है। सितंबर से धान की फसल आ रही है। ये वैरायटी के हिसाब से आती रहती है। बाजार में हर तरह का चावल है। त्योहारों में चावल की कोई कमी नहीं है। केंद्र सरकार ने टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है। 9 सितंबर 2022 को गैर-बासमती सफेद चावल पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया गया था। इसके बाद 20 जुलाई 2023 को गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था।

दिवाली से पहले आसमान से गिरे सोने के भाव

चांदी में भी बंपर गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी

सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखी जा रही है। दिवाली से पहले गोल्ड-सिल्वर की कीमतों में गिरावट आई है। पिछले दिनों इजरायल-हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद सोने की कीमतों में तेजी देखी गई थी। सोना 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था। लेकिन अब इसमें बड़ी गिरावट देखी जा रही है।

सोने और चांदी के भाव गिरे हैं। एमसीएक्स एक्चेंज पर सोना गिरावट के साथ खुला है। वहीं चांदी के भाव में भी कमजोरी देखी जा रही है। चांदी के भाव भी लाल निशान पर कारोबार करते दिख रहे हैं। अभी आने वाले समय में कीमतों में और गिरावट की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अगर आप गोल्ड-सिल्वर की खरीदारी का प्लान बना रहे हैं तो एक बार इनके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर बुधवार की सुबह 5 दिसंबर 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.13 फीसदी या 77 रुपये की गिरावट के साथ 60,478 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। सोने के भाव आज गिरावट के साथ ट्रेड करते दिख रहे हैं।

सोने के साथ ही चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में भी गिरावट देखी जा रही है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर बुधवार की सुबह 5 दिसंबर 2023 की डिलीवरी वाली चांदी 0.21 फीसदी या 153 रुपये की गिरावट के साथ 71,629 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली है। वहीं 5 मार्च 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 73120 रुपये के स्तर पर खुली है।

फॉक्सकॉन ने भारत में बढ़ाया बिजनस तो चिढ़ गया चीन

कंपनी के खिलाफ शुरू कर दी जांच

नई दिल्ली। एजेंसी

कॉन्ट्रैक्ट पर इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी फॉक्सकॉन भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी कर रही है। ऐपल के लिए आईफोन बनाने वाली इस कंपनी की भारत के साथ बढ़ती करीबी से चीन की सरकार बुरी तरह चिढ़ गई है। उसने इस कंपनी के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। फॉक्सकॉन ने हाल में ताइपे में सालाना होन हाई टेक डे आयोजित किया था। इसमें बड़ी संख्या में कंपनी के भारतीय कर्मचारियों, भारतीय कंपनियों के अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया था। फॉक्सकॉन ने भारत में निवेश के लिए बड़ी योजना बनाई है। फॉक्सकॉन के भारत में प्रतिनिधि वी ली ने इस इवेंट की तस्वीरें लिंक्डइन पर शेयर की हैं। यह बात चीन की सरकार के गले नहीं उतर रही है।

ताइपे में 18 अक्टूबर को आयोजित इवेंट की तस्वीरें साझा करते हुए वी ली ने लिखा कि यह भारत के युग की शुरुआत है जो ईवी और सेमीकंडक्टर्स को समर्पित है। भारत में कंपनी ने तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। साथ ही उसकी तेलंगाना और कर्नाटक में भी निवेश की योजना है। फॉक्सकॉन की पेरेंट कंपनी होन हाई के चेयरमैन और सीईओ यंग लियू का कहना है कि अगले दस साल में कंपनी की मैन्यूफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी 20 से 30 फीसदी होगी। लेकिन फॉक्सकॉन की भारत के साथ बढ़ती करीबी चीन को रास नहीं आ रही है।

फॉक्सकॉन के खिलाफ जांच

चीन ने फॉक्सकॉन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। रविवार को चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि टैक्स विभाग ने हाल में फॉक्सकॉन की सहयोगी कंपनियों का ऑडिट किया है। साथ ही नेचुरल रिसोर्सेज मिनिस्ट्री ने हेनान और हुबेई प्रांतों में कंपनी के लैंड यूज की जांच की है। फॉक्सकॉन की चीन में सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री है। सोमवार को फॉक्सकॉन इंडस्ट्रियल इंटरनेट में 10 फीसदी गिरावट आई। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर है। कंपनी ने 1988 में चीन में कारोबार शुरू किया था और यह चीन में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाली कंपनियों में से एक है।

ऐपल के बाद अब गूगल बनाएगा मेड इन इंडिया फोन

2024 से हजारों में बिकेंगे लाखों वाले पिक्सल स्मार्टफोन

नई दिल्ली। एजेंसी

गूगल ने कहा है कि वह अपने पिक्सल फोन को भारत में बनाना शुरू करेगी। गुरुवार को अपनी सालाना इवेंट गूगल फॉर इंडिया में उसने ये ऐलान किया। साथ ही गूगल ने कहा कि वह जी-पे के जरिए क्रेडिट लोन की सुविधा शुरू करेगी। इंटरनेट को ज्यादा सेफ बनाने के लिए फाइनैंशल फ्रॉड के खिलाफ डिजी कवच नाम से अभियान चलाएगी। भारत सरकार के साथ मिलकर ई के लिए ज्यादा युवाओं को तैयार करेगी। साथ ही गूगल ने एक्सिस माय इंडिया के साथ मिलकर 'ए' नाम का सुपर ऐप भी शुरू करने का ऐलान किया है जो कि लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद करेगा।

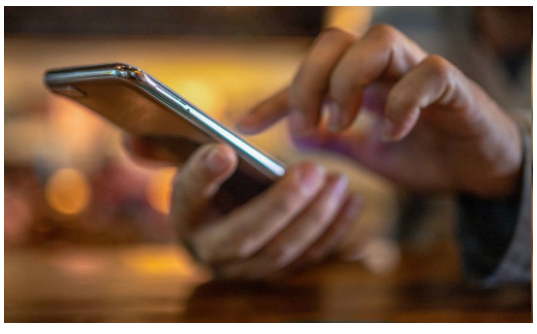

गूगल ने कहा कि उसके लेटेस्ट फ्लैगशिप फोन पिक्सल 8 को भारत में बनाया जाएगा। पहला मेड इन इंडिया पिक्सल फोन 2024 में आ जाएगा। इससे पहले कंपनी भारत में अपनी क्रोमबुक बनाने के लिए एचपी के साथ ऐलान कर चुकी है। गूगल के सीनियर वीपी डिवाइस एंड सर्विस रिक ओस्टरलो ने कहा कि पिक्सल के लिए भारत महत्वपूर्ण रहा है। भारत ने जोरदार ढंग से मोबाइल इनोवेशन को अपनाया है, आने वाले दिनों में हम इसके बारे में और जानकारी शेयर करेंगे।

गूगल फॉर इंडिया में AI को काफी तवज्जो दी गई और इसे अलग अलग सुविधाओं के साथ जोड़ते हुए बेहतर इस्तेमाल की बात कही गई। गूगल इंडिया के कंट्री मैनेजर संजय गुप्ता ने कहा कि जेनरेटिव एआई के साथ भारत के पास मौका है कि वह अपनी डिजिटल कामयाबी की नई इमारत खड़ी करे। लोगों को ठगी से बचाने के लिए डिजी कवच शुरू किया जा रहा है जो फ्रॉड के पैटर्न को समझकर अलर्ट जारी करेगा। फिनटेक असोसिएशन ऑफ कंस्यूमर इम्पाउअर्मन्ट के साथ मिलकर लोन देने वाले ठग ऐप्स पर लगाम कसी जाएगी जिससे उन्हें प्ले स्टोर पर ही काबू में किया जाए। गूगल-पे से लोगों और छोटे कारोबारियों के लिए क्रेडिट की सुविधा शुरू की जाएगी जिससे लोग भरोसेमंद ढंग से पैसे ले सकें। इसी तरह एक्सिस माय इंडिया का ऐप ए लोगों को जन कल्याण की सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी, उनसे जुड़ने के तरीके, स्वास्थ्य और रोजगार योजनाओं के बारे में बताता है। यह गूगल क्लाउड पर तैयार किया गया है।

यूट्यूब ने इस मौक पर बताया कि इसके क्रिएटिव इको सिस्टम ने भारतीय जीडीपी में 16 हजार करोड़ रुपये का योगदान दिया है और करीब साढ़े सात लोगों को फुल टाइम रोजगार जितना सपोर्ट दिया। टॉप न्यूज शेल्फ नाम का नया फीचर जल्द रोल किया जाएगा जो खास खबरों का पेज होगा। इसे 11 भाषाओं में लाया जाएगा।

शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड ने रचा इतिहास, महाराष्ट्र में मिला लेटर ऑफ इम्पेनलमेन्ट

कुसुम स्कीम फेस 3 के लिए 50,000 सोलर पम्पस... 1600 करोड़ रुपये तक के ऑर्डर्स के लिए

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

सोलर पंपिंग समाधानों में अग्रणी शक्ति पम्प्स इंडिया लिमिटेड को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) से 50,000 ऑफ - ग्रिड सौलर फोटोवोल्टिक वाटर पम्पिंग सिस्टम (SPWPS) के लिए लेटर ऑफ इम्पेनलमेन्ट प्राप्त हुआ जो सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य में पीएम - कुसुम स्कीम फेस - 3 के कम्पोनेन्ट - बी के लिए है। इन 50,000 पम्पस की अनुमानित कीमत 1,603 करोड़ रुपये है। इस योजना के तहत, किसानों को 90इ की सब्सिडी प्राप्त होने से काफी लाभ होगा। पीएम - कुसुम स्कीम फेस – 3 का कम्पोनेन्ट बी विशेष रूप से 3, 5 एवं 7.5 एचपी तक की व्यक्तिगत क्षमता वाले सौलर ऊर्जा संचालित कृषि पंपों के इंस्टॉलेशन पर केंद्रित है। शक्ति पम्प्स के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कहा, - ''हम महाराष्ट्र के श्एंग्ण्थ के मैनेजमेंट की इस पहल के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। इस पहल से डिस्कॉम की अतिरिक्त सब्सिडी लोड में कमी आएगी। इसके अलावा डीजल से सोलर पम्प्स पर स्विच करने से आर्थिक बचत, उर्जा स्वतंत्रता में वृद्धि, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायु प्रदूषण को कम करके पर्यावरणीय लाभ होगा। हमें खुशी है कि पिछले तीन वर्षों से, शक्ति पम्प्स लगातार कृषि पंपिंग क्षेत्र में किसानों की पहली पसंद रहा है।'

श्री पाटीदार ने आगे कहा कि वे किसान जिन्होंने इलेक्ट्रिकल कनेक्शन के लिए आवेदन किया था और कनेक्शन का इंतजार कर रहे थे, वे सोलर पम्प्स से अपग्रेड हो जाएंगे जिस से डीजल पम्प्स पर उनकी निर्भरता भी खत्म हो जाएगी। इतना ही नहीं अब तक किसान मौसम के भरोसे रहकर केवल एक उपज ले पाते थे, अब वे बिजली की चिंता किए बिना पूरे साल खेती कर सकते है। इसके साथ ही किसान माईक्रो इरीगेशन टेक्निक 'झ्री ऊ्दज श्दी ण्दज' के सिद्धांत पर कृषि में उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सोलर पंप्स एक तरफ दैनिक खर्च को कम करते हैं वहीं ऊर्जा के अतिरिक्त उत्पादन से होने वाली आय के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद करते हैं। शक्ति पंप्स, सोलर पंपिंग सॉल्यूशन में सस्टेनेबल इनोवेशन और विश्वसनीयता में सबसे आगे है तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार भी है। कंपनी सोलर पंपिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से कृषि क्षेत्र में परिवर्तन लाने में सबसे आगे रही है। शक्ति पंप्स के सभी सबमर्सिबल पंप स्टेनलेस स्टील पर आधारित हैं, जो नई तकनीक और मैन्युफेक्चरिंग में क्वालिटी का प्रमाण है। विशेष रूप से, शक्ति पंप्स को भारत का पहला 5 - स्टार रेटेड पंप मैन्युफेक्चरर होने का गौरव प्राप्त है, जो दुनिया भर के 125 से अधिक देशों में अपने प्रोडक्टस सप्लाय करता है और अपने स्वयं के सौलर पंप, मोटर, स्ट्रक्चर और कन्ट्रोलर, वीएफडी बनाता है।

इंदौर में खराब प्रदर्शन करने वाले 61% स्टॉक ट्रेडर्स के लिए सैमको का समाधान

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

SAMCO
ACE THE INDEX

सैमको सिक्योरिटीज ने ट्रेडर्स की परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने और अंधेरे पक्ष पर रोशनी डालने के लिए शुरू किया 'अनदेखा सच' अभियान

भारत की प्रमुख इन्वेस्टमेंट-टेक कंपनी सैमको सिक्योरिटीज इंदौर में खराब प्रदर्शन करने वाले 61% स्टॉक मार्केट ट्रेडर्स के लिए एक समाधान लेकर आई है। सैमको के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चला है कि इंदौर के 61% ट्रेडर्स पिछले वर्ष के दौरान स्टॉक मार्केट में खराब परफॉर्मेंस से जूझ रहे हैं। यह चिंताजनक आंकड़े ऐसी पहल की जरूरत पर जोर देते हैं जो ट्रेडर्स और इन्वेस्टर को पेश आने वाली परेशानियों को दूर करती हो। इस उद्देश्य से सैमको सिक्योरिटीज ने क्ष्अनदेखा सच अभियान शुरू किया है। इस अभियान के जरिए सैमको सिक्योरिटीज व्यापारिक व्यवहार का विश्लेषण करने, अनदेखो सच (#AndekaSach) को उजागर करने और ट्रेडर्स को बेहतर निर्णय लेने में मदद करने के लिए उपयोगी सुझाव दे रही है। सैमको सिक्योरिटीज का लक्ष्य हाइपर-पर्सनलाइज्ड इनसाइट देना है जो ट्रेडर्स को उनकी अपनी बेजोड़ ट्रेडिंग शक्तियों और कमजोरियों को समझने के काबिल बनाता है, जिससे अंततः उनके मुनाफे में सुधार होता है।

12.3 करोड़ से अधिक डीमैट खातों और इक्विटी फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) में भाग लेने वाले ट्रेडर्स के एक बड़े हिस्से के साथ इंडियन स्टॉक मार्केट एक जीवंत इकोसिस्टम है। हालांकि, सैमको सर्वेक्षण द्वारा उजागर किए गए चौंकाने वाले आंकड़े बाजार सहभागियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हैं, जिससे पता चला कि: 89% इक्विटी एफएंडओ ट्रेडर्स को वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान औसतन 1.1 लाख रुपए का नुकसान हुआ। 90% सक्रिय ट्रेडर्स को इसी अवधि के दौरान औसतन 1.25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। 65% निवेशक अपने सटीक स्टॉक मार्केट रिटर्न से अनजान हैं। 63% निवेशक बाजार सूचकांकों को पछाड़ने का लक्ष्य या योजना बनाकर नहीं चलते।

सैमको सिक्योरिटीज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और प्रेसिडेंट नीलेश शर्मा ने कहा, ''हम शेयर बाजार में ट्रेडर्स और निवेशकों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हैं। हमारा मिशन प्रत्येक भागीदार को बाजार सूचकांकों से लगातार बेहतर प्रदर्शन करने और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना है। अनदेखा सच अभियान के तहत हम ट्रेडर्स के बाजार में आने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। इस प्रयास में, हमने सैमको ट्रेडिंग ऐप में 'माई ट्रेड स्टोरी फीचर' जोड़ा है,जो शेयर बाजार प्रतिभागियों को अनदेखा सच दिखाता है, उनके व्यापार का सच।'

शक्ति पंप्स को मिला छठा पेटेंट

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

एनर्जी एफिशिएंट पंप्स और मोटर्स के अग्रणी निर्माता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड, को स्टैक असेंबली फॉर परमानेंट मैगनेट रोटर के आविष्कार के लिए भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने शक्ति पंप्स को पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट 20 वर्षों की अवधि के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्राधिकारों में वैध रहेगा।

SHAKTI
PUMPING LIFE

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मोटर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में की गई अभूतपूर्व रिसर्च से इलेक्ट्रिक वाहनों के परफार्मेंस और एफिशियंसी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

शक्ति पंप्स इंडिया लिमिटेड के चेयरमेन दिनेश पाटीदार ने इस उपलब्धि पर कहा कि 'हमारी ईवी मोटर तकनीक में एफिशिएंसी में सुधार करने और इलेक्ट्रिक वाहनों की रेंज का विस्तार करने की क्षमता है जिससे वह एक सिंगल चार्ज में लम्बी दूरी तय कर पाएगी। इस तकनीक से पावर फैक्टर में सुधार होगा, साथ ही लॉस में कमी आएगी और ऑपरेटिंग तापमान कम होने से लोड कैपेसिटी और टॉर्क बढ़ेगा। जिसके परिणामस्वरुप खाड़ी इलाकों एवं मुश्किल स्थानों में ई-वाहनों की हैवी लोड उठाने की क्षमता बढ़ेगी व इसे चलाना आसान होगा। यह पेट्रोल एवं डीजल पर हमारी निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

नवरचना युनिवर्सिटी ने साइकल-1 मूल्यांकन में NAAC से प्रतिष्ठित 'ए' ग्रेड प्राप्त किया

वडोदरा, गुजरात। आईपीटी नेटवर्क

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जानी-मानी नवरचना युनिवर्सिटी को साइकल-1 मान्यता प्रक्रिया के दौरान नेशनल असेसमेंट एक्रेडिशन काउंसिल (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड से सम्मानित किया गया है। अपनी इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर नवरचना युनिवर्सिटी गौरवान्वित है। यह मान्यता अकादमिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और निरंतर सुधार के प्रति नवरचना युनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

NAAC मान्यता प्रक्रिया शिक्षण, अनुसंधान, छात्र सहायता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, गवर्नेन्स और अधिक समग्र गुणवत्ता को समाविष्ट करती और विभिन्न मापदंडों पर ध्यान केंद्रित करती संस्थानों के कठोर मूल्यांकन के लिए जानी जाती है। पहले ही साइकल में 'ए' ग्रेड हासिल करना उच्च मानकों को बनाए रखने और अपने छात्रों को विश्वस्तरीय शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए युनिवर्सिटी के समर्पण को दर्शाता है।

मान्यता प्रक्रिया के दौरान नवरचना युनिवर्सिटी के पाठ्यक्रम और शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया और इन दोनों के अद्वितीय और नवीन दृष्टिकोण की अत्यधिक सराहना की गई। छात्रों के लिए अनुकूल और पसंद आधारित पाठ्यक्रम (इलैक्टिव एंड माइनर्स), वर्कशोप/स्टूडियो आधारित हेण्ड्स ऑन लर्निंग और इसके अद्वितीय सामाजिक कार्यक्रम (खोज विंटरस्कूल) का समर्थन करने के लिए आईटी सक्षम प्रक्रियाओं का एकीकरण, नवरचना यूनिव सिटी में नवीन प्रैक्टिस के मुख्य आकर्षण रहे हैं। नवरचना एजुकेशन सोसाइटी की अध्यक्षा श्रीमती तेजल अमीन ने कहा कि, 'साइकल-1 में ण्ण से 'ए' ग्रेड प्राप्त करने पर हम गौरवान्वित है। यह मान्यता उच्च शिक्षा में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के हमारे प्रयासों की पुष्टि करती है। यह हमारे फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों के समर्पण का प्रमाण है, जिन्होंने सामूहिक रूप से युनिवर्सिटी के विकास और सफलता में योगदान दिया है।'

नवरचना युनिवर्सिटी के प्रोवोस्ट प्रो. प्रत्यूष शंकर ने कहा कि, NACC से 'ए' ग्रेड प्राप्त करना नवरचना युनिवर्सिटी के लिए एक महत्वपूर्ण सीमाचिह्न है और अब यह दुनियाभर में सहयोग के साथ खुद को राष्ट्रीय प्रासंगिकता के एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करने की राह पर है। रजिस्ट्रार प्रो. संदीपवसंत ने कहा कि, 'इस मान्यता से निस्संदेह वर्तमान और भावी छात्रों को और साथ ही फैकल्टी को लाभ होगा, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए युनिवर्सिटी की अटूट प्रतिबद्धता के लिए विश्वास व्यक्त करते हैं।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।